an>

Title: Regarding problems faced by jewellers due to imposition of excise duty on gold.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आप जानती हैं कि इस देश में किसान आत्महत्या कर रहे हैं, क्लाइमेट चेंज की वजह से भारी संकट आ रहा है, कामगार भी आत्महत्या कर रहे हैं और दुर्भाग्यवश जवाहरात का काम करने वाले भी आत्महत्या करने लगे हैं। इस देश में अभी पिछले दिनों में हमारे जवाहरात और सुनार लोगों ने 40-45 दिन हड़ताल की, अपनी दुकानें बन्द रखीं, फिर भी उनकी समस्या का निराकरण नहीं हुआ। आज से दोबारा वे तीन दिन बन्द करने जा रहे हैं। आप जानती हैं कि इस देश में एक पुराना गाना था, 'जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़ियां करती हैं बसेरा, वह भारत देश है मेरा', जिस सोने का धुंआ जहां निकलता था, वहां आज सुनार पिछले कितने महीनों से बहुत व्यथित हैं और वे मांग कर रहे हैं कि सरकार की तरफ से जो सैण्ट्रल एक्साइज़ लगी हुई है, उसको हटाने की बात कर रहे हैं।

आपके माध्यम से मेरी सरकार को प्रार्थना है कि जब हम कहते हैं कि हम जी.एस.टी. लाने वाले हैं, जी.एस.टी. जब आएगा तो यह सैण्ट्रल एक्साइज़ नहीं लगेगी। दूसरी तरफ हम कहते हैं कि सब का साथ, सब का विकास, ईज़ ऑफ बिजनेस की बात करते हैं, सिंगल विंडो की बात करते हैं तो हमने यह अलग एक्साइज़ की विंडो क्यों लगाई। वे टैक्स देने के लिए मना नहीं करते। वे कहते हैं कि हमसे एक क्या, दो प्रतिशत ले लो, लेकिन सैण्ट्रल एक्साइज़ मत लगाओ, क्योंकि उन्होंने उसका अनुभव किया है कि परेशान हुए हैं, आत्महत्याएं की हैं, फिर दोबारा आत्महत्याएं हो रही हैं। मेरी आपके माध्यम से प्रार्थना है कि ये जवाहरात वाले जो आज हड़ताल कर रहे हैं, हमारे प्रधानमंत्री जी जब प्रधानमंत्री नहीं थे, तब उन्होंने जो भाषण किया था और जब कांग्रेस की सरकार यह कानून लाना चाहती थी, तब उन्होंने कारीगरों की भी व्यथा की थी। हम जानते हैं कि सोना कोई जीवनावश्यक वस्तु नहीं है, लेकिन उसे बनाने वाले इतने लोग हैं, इतने कारीगर हैं, आज पिछले एक महीने से वे घर बैठे, अब दोबारा घर बैठेंगे, उनकी रोजी-रोटी की भी चिन्ता सरकार को करनी होगी। सिर्फ सोने की तरफ मत देखो, उस व्यवसाय के ऊपर कितने लोग निर्भर हैं, उसकी भी चिन्ता करनी चाहिए और इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार को फिर प्रार्थना करता हूं कि जब जी.एस.टी. हम लाने जा रहे हैं, क्या हम तब तक इस सैण्ट्रल एक्साइज़ को रोक नहीं सकते? हम थोड़ा सा तो उनको दिलासा दे सकते हैं, उतना तो काम करें, ताकि हमारे सुनार लोग हड़ताल न करें। इतनी ही मेरी प्रार्थना है। जयहिन्द।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री राजीव सातव,

कुमारी सुष्मिता देव,

श्री गजानन कीर्तिकर,

श्री विनायक, राऊत,

श्री संजय जाधव,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

श्री सी.पी. जोशी,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री अरविन्द सावन्त द्वारा उठाये गये विषय पर सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : अध्यक्ष महोदया, अभी अरविन्द सावन्त जी ने पूरी बात बता दी, लेकिन मैं ब्रीफ में और बताना चाहूंगा। अभी 2015-16 में सरकार आभूषणों पर बिना इनपुट टैक्स क्रेडिट और 12.5 परसेंट इनपुट टैक्स क्रेडिट के साथ उतना शुल्क लगाने का सर्राफा एसोसिएशन का विरोध देखते लगभग एक माह से अधिक समय हो गया है। सर्राफा व्यापारी सरकार के इस निर्णय को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनके द्वारा बताया जा रहा है कि एक्साइज़ ड्यूटी से आम लोगों को गहने खरीदना और महंगा हो जायेगा। छोटे व्यापारियों और कारीगरों को कागजी कार्रवाई करनी पड़ेगी। यहां तक कि यह भी कहा जा रहा है कि ड्यूटी लगाने से संस्कृति खत्म होगी, क्योंकि सोना भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। राज्यों की सरकारें भी इस सम्बन्ध में नरमी बरतने का अनुरोध कर चुकी हैं। सर्राफा व्यापारियों का रोष बढ़ता जा रहा है। उग्र प्रदर्शन की भी सम्भावना को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे संसदीय क्षेत्र के कोने-कोने से सर्राफा व्यापारी और कारीगर अपनी गुहार लेकर आते हैं।

यही स्थिति पूरे देश भर के संसदीय क्षेत्रों की भी होगी। सर्राफा व्यापारियों का गोल्ड कंट्रोल कानून के खिलाफ भी प्रदर्शन किया गया था, जो 60 दिन से ज्यादा चला। मेरा सदन के माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से अनुरोध है कि आभूषणों पर लगाये जा रहे सैण्ट्रल एक्साइज़ ड्यूटी को हटाया जाये, ताकि देश भर के सर्राफा व्यापारियों व इस व्यवसाय से जुड़े लोगों को राहत मिल सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री सत्यपाल सिंह,

श्री अश्विनी कुमार चौबे,

श्री सी.पी. जोशी,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को श्री पी.पी. चौधरी द्वारा उठाये गये विषय पर सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री रवनीत सिंह जी, वैसे तो यह स्टेट मैटर है, मगर बिना आरोप किए हुए जो बोलना है, बोलो।